Khel dhaba.com

खेल ढाबा

पटना, मंगलवार, 05 अगस्त, 2025 वर्ष-1 ।। अंक-40 ।। पृष्ठ-4।।

डिजिटल समाचार

मोहन बागान की दूसरी बड़ी जीत पेज-04 आर्या सिसोदिया ने जीते 3 पदक पेज-04 अब्दुल्ला अबूबकर ने जीता ट्रिपल जंप का खिताब पेज-04

ओवल में 'सिराज' की जादूई लहर

पांचवें टेस्ट मैच में भारत ने इंग्लैंड को 6 रन से हराया, सीरीज 2-2 से हुआ बराबर

लंदन, 4 अगस्त। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में सोमवार को रोमांचक अंदाज में छह रन से जीत दर्ज की और पांच मैचों की सीरीज 2–2 से बराबरी पर समाप्त की।

अंतिम दिन इंग्लैंड को सिर्फ 35 रन और भारत को चार विकेट की जरूरत थी, लेकिन तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की अगुवाई में भारतीय टीम ने असंभव से लग रहे लक्ष्य को संभव कर दिखाया।

सिराज ने 30.1 ओवर में 104 रन देकर पांच विकेट चटकाए, वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने 126 रन देकर चार विकेट लिए। इस दमदार प्रदर्शन की बदौलत

- सिरीज ने 104 रन देकर चटकाये पांच विकेट
- प्रसिद्ध कृष्णा ने 126 देकर झटके चार विकेट
- क्रिस वोक्स कंधे में चोट के बावजूद मैदान में उतरे

इंग्लैंड की टीम 374 रन केलक्ष्य केसामने 367 रन पर सिमट गई।

सुबह का आत्मविश्वास बना सिराज की प्रेरणा : मैच के बाद सिराज ने खुलासा किया कि उन्होंने सुबह उठते ही फोन पर 'बिलीव' इमोजी वाला वॉलपेपर लगाया और खुद से कहा कि वह आज देश के लिए कुछ खास करेंगे। मैदान पर उन्होंने अपने इरादों को हकीकत में बदल दिया और टीम को सीरीज में बराबरी दिलाने वाला नायक बन गए।

मुकाबले का निर्णायक मोड़ : इंग्लैंड की शुरुआत तेज थी और पहले कुछ ओवरों में स्कोर तेजी से बढ़ा। लेकिन सिराज ने जेमी स्मिथ (2) को विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराकर पहला झटका दिया। इसके बाद उन्होंने जेमी ओवरटन को एलबीडब्ल्यू किया और गस एटकिंसन को बोल्ड करकेभारत को जीत दिला दी।

दूसरे छोर से प्रसिद्ध कृष्णा ने भी आक्रमण जारी रखा और जोश टंग को क्लीन बोल्ड कर इंग्लैंड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

क्रिकेट के लिए एक प्रेरणादायक क्षण : क्रिस वोक्स ने कंधे में चोट के बावजूद मैदान में उतरकर बल्लेबाजी की, जिसने दर्शकों को 1963 के कॉलिन काउड्रे की याद दिला दी, जब उन्होंने टूटे हाथ से बल्लेबाजी कर इंग्लैंड को ड्रॉ कराया था। हालांकि इस बार जीत भारत की झोली में गई।

गंभीर और गिल की रणनीति ने दिखाया असर : मैच से पहले ओवल की पिच को लेकर कई चर्चाएं थीं, लेकिन कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल की सूझबूझ भरी रणनीति ने भारतीय टीम को जीत की राह पर रखा। गिल ने पूरे सीरीज़ में कप्तानी में संतुलन और साहस दिखाया।

नाटकीय सीरीज का यादगार अंत : इस जीत केसाथ भारत ने सीरीज 2–2 से बराबर कर ली और टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में इस सीरीज को सबसे रोमांचक मुकाबलों में शामिल कर दिया। पांचों मैच आखिरी दिन तक खिंचे और हर मुकाबले में उतार-चढ़ाव का रोमांच बना रहा।

सुबह उठने के बाद सबसे पहले गूगल पर 'बिलीव' इमोजी ढूंढा

लंदन, 4 अगस्त। मोहम्मद सिराज के शब्दकोष में असंभव शब्द नहीं है और उन्हें हमेशा से यकीन था कि वह आखिरी टेस्ट में किसी भी स्थिति से भारत को जीत दिला सकते हैं ।

सिराज ने जीत के बाद कहा कि मैं सुबह उठा और अपने फोन पर गूगल चेक किया। इसके बाद बिलीव इमोजी वॉलपेपर निकाला और खुद से कहा कि मैं देश के लिये यह करूंगा।

जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में सिराज ने श्रृंखला में 185 . 3 ओवर डालकर 23 विकेट चटकाये। वह इस श्रृंखला में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज है। इंग्लैंड को आखिरी दिन मैच और श्रृंखला जीतने के लिये 35 रन और भारत को चार विकेट की जरूरत थी। सिराज ने आखिरी चार में से तीन विकेट चटकाकर भारत को छह रन से अविस्मरणीय जीत दिलाई। उन्होंने दूसरी पारी में 30.1 ओवर में 104 रन देकर पांच विकेट चटकाये। उन्होंने मैच के बाद जियो हॉटस्टार पर दिनेश कार्तिक से कहा कि मुझे हमेशा से यकीन था कि किसी भी स्थिति से जीत दिला सकता हूं और सुबह यही किया। हैदराबाद के

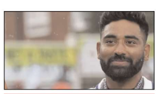

सिराज बोले

- बिलीव इमोजी वॉलपेपर निकाला और खुद से कहा कि मैं देश के लिये यह करूंगा
- मेरी एक ही रणनीति थी कि सही जगह पर गेंद डालनी है

इस तेज गेंदबाज ने कहा कि मेरी एक ही रणनीति थी कि सही जगह पर गेंद डालनी है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि विकेट मिलते हैं या रन जाते हैं। चौथे दिन रविवार को शतक जमाने वाले हैरी ब्रूक का 19 के स्कोर पर कैच छोड़ने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जब मैने गेंद लपकी तो लगा नहीं था कि सीमारेखा को छू लूंगा। यह मैच पलटने वाला पल था। ब्रूक टी20 अंदाज में बल्लेबाजी कर रहा था। हम मैच में पीछे थे लेकिन अल्लाह का शुक्र है। मुझे लगा था कि मैच हाथ से निकल गया।

हर कप्तान का सपना है सिराज जैसा गेंदबाज

लंदन, 4 अगस्त। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने द ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ मिली रोमांचक जीत के बाद तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की खुलकर तारीफ की। गिल ने कहा कि सिराज जैसे जुझारू और हर गेंद में जान लगाने वाले गेंदबाज को हर कप्तान अपनी टीम में चाहता है।

गिल ने कहा कि सिराज किसी भी कप्तान का सपना होते हैं। उन्होंने हर स्पैल में अपना सबकुछ झोंक दिया। भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-2 से बराबर किया। इस आखिरी मुकाबले में सिराज ने कुल 9 विकेट चटकाए। गिल ने इस नतीजे को दोनों टीमों की प्रतिस्पर्धी भावना का प्रतीक बताया।

गिल इस सीरीज में भारत के सबसे सफल बल्लेबाज रहे। उन्होंने 754 रन बनाए और चार शतक जमाए। उन्होंने कहा कि 2-2 की बराबरी एक उचित प्रतिबिंब है। दोनों टीमों ने जोश और जुनून से भरा प्रदर्शन किया। गिल ने प्रसिद्ध कृष्णा की भी तारीफ की, जिन्होंने मैच में आठ विकेट लिए, हालांकि वे थोड़े महंगे साबित हुए।

शुभमन गिल बोले

- जब आपके पास सिराज और प्रसिद्ध जैसे गेंदबाज हों तो कप्तानी आसान हो जाती है
- अपने प्रदर्शन को भारतीय कप्तान ने संतोषजनक बताया

गिल ने कहा कि जब आपके पास सिराज और प्रसिद्ध जैसे गेंदबाज हों तो कप्तानी आसान हो जाती है। हमें पता था इंग्लैंड दबाव में है, हमने पूरा विश्वास बनाए रखा। गिल ने इस श्रृंखला में अपने प्रदर्शन को संतोषजनक बताया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य ही श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बनना था, जिसे उन्होंने हासिल किया। उन्होंने तकनीक और मानसिक दृढ़ता को सफलता की कुंजी बताया। यह संतोषजनक रहा, मैंने तकनीकी और मानसिक दोनों पक्षों पर मेहनत की।

इस जीत को मैं अपने कैरियर के शीर्ष पर रखूंगा

लंदन, 4 अगस्त। भारतीय टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ कराने को अपने कैरियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिना है। उन्होंने कहा कि यह जीत उस युवा टीम ने हासिल की, जिसे श्रृंखला से पहले दावेदार तक नहीं माना गया था।

राहुल ने कहा कि यह जीत भारतीय क्रिकेट के सबसे यादगार पलों में से एक है। हमने भारत को विश्व कप उठाते देखा है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट को लेकर कई सवाल थे-क्या यह फॉर्मेट बचेगा? मुझे लगता है कि इस श्रृंखला ने इस सवाल का सटीक जवाब दे दिया है।

पांचवें टेस्ट मैच में भारत ने मोहम्मद सिराज की शानदार गेंदबाजी (5 विकेट) की बदौलत इंग्लैंड को मात्र 6 रन से हराकर सीरीज बराबर की। मैच केआखिरी घंटे में भारतीय गेंदबाजों ने जबरदस्त वापसी की।

राहुल ने कहा कि श्रृंखला से पहले किसी को उम्मीद नहीं थी कि हमारी टीम इंग्लैंड को टक्कर देगी। लेकिन हर मैच में संघर्ष कर वापसी करना और आखिर में 2-2 से बराबरी करना शानदार है। यह

केएल राहुल बोले

- यह जीत भारतीय क्रिकेट के सबसे यादगार पलों में से एक है
- यह जीत भारतीय टेस्ट क्रिकेट केभविष्य के लिए बेहद अहम है

जीत भारतीय टेस्ट क्रिकेट केभविष्य के लिए बेहद अहम है। पांच टेस्ट में राहुल ने दो शतक और दो अर्धशतक की मदद से 532 रन बनाए। वह गिल (754 रन) के बाद भारत के दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज रहे। उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर कई बार टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। राहुल ने बताया कि इस टीम में खुद को वरिष्ठ भूमिका में पाकर उन्होंने न सिर्फ बल्लेबाजी बल्कि युवाओं का मार्गदर्शन करना भी अपना कर्तव्य समझा।

सिराज के लिए कमाल की श्रृंखला और परिणाम

लंदन, 4 अगस्त। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने सोमवार को स्वीकार किया कि पांचवें टेस्ट की अंतिम सुबह उन्हें अपनी टीम की आसान जीत की उम्मीद थी, लेकिन भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की साहसिक गेंदबाजी ने पूरा समीकरण पलट दिया।

सिराज ने मैच में कुल नौ विकेट लेकर भारत को रोमांचक अंदाज में छह रन से जीत दिलाई और सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई।

ब्रूक ने कहा, मैंने सोचा था कि हम आसानी से यह मैच जीत लेंगे। आखिरी दिन हमें सिर्फ 35 रन चाहिए थे और चार विकेट शेष थे। लेकिन सिराज ने जिस तरह गेंदबाजी की, वह सराहनीय था। उसने न सिर्फ इस मैच में, बल्कि पूरी श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया।

गौरतलब है कि सिराज की स्विंग और गति ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को पूरी तरह परेशान कर दिया। जब भारत के लिए जीत मुश्किल लग रही थी, तब सिराज ने लगातार विकेट चटकाकर मैच को भारत की झोली में डाल दिया।

ब्रूक ने पिच और मौसम केप्रभाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, मुझे

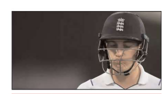

हैरी ब्रूक बोले

- मैंने सोचा था कि हम आसानी से यह मैच जीत लेंगे पर सिराज ने पासा पलट दिया
- श्रृंखला उतार-चढ़ाव भरी रही और समापन भी वैसा ही हुआ

लगा था कि भारी रोलर के बाद पिच सपाट हो जाएगी, लेकिन बादलों के चलते गेंद मूव कर रही थी। क्रिस वोक्स को चोट के बावजूद मैदान में उतरना पड़ा, लेकिन दुर्भाग्यवश हम जीत नहीं सके।

उन्होंने जोड़ा कि जब मैं और जो रूट बल्लेबाजी कर रहे थे, तब सब कुछ नियंत्रण में लग रहा था। लेकिन यह श्रृंखला उतार-चढ़ाव से भरी रही और इसका समापन भी वैसा ही हुआ। मैं चाहता था कि हम जल्द से जल्द यह मैच खत्म कर दें।

भारत के लिए यह रोमांचक जीत ऐतिहासिक पल

नईदिल्ली, 4 अगस्त। पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड पर भारत की रोमांचक छह रन की जीत केबाद त्रिक्रेट जगत के दिग्गजों ने टीम इंडिया की जमकर प्रशंसा की है। सचिन तेंदुलकर से लेकर विराट कोहली, सौरव गांगुली से लेकर अनिल कुंबले और सूर्यकुमार यादव तक – हर किसी ने इस ऐतिहासिक जीत को भारतीय त्रिक्रेट की भावना और दृढ़ संकल्प का प्रतीक बताया।

तेंदुलकर ने 'एक्स' पर लिखा-टेस्ट क्रिकेट- रोंगटे खड़े कर देने वाला। सीरीज़ 2-2, प्रदर्शन 10 में से 10। भारतीय क्रिकेट केमहानायकों की अद्भुत जीत।

विराट कोहली, जिन्होंने इस दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था, ने सिराज और प्रसिद्ध की तारीफ करते हुए कहा-सिराज ने टीम के लिए सब कुछ झोंक

भारत के क्रिकेट दिग्गजो की प्रतिक्रियाएं

दिया। उनकी दृढ़ता ने यह जीत संभव बनाई। गर्व है। सिराज ने कोहली केइस संदेश पर त्वरित धन्यवाद भी जताया।

सौरभ गांगुली ने लिखा-टीम इंडिया की शानदार जीत। टेस्ट क्रिकेट अब भी सबसे श्रेष्ठ प्रारूप है। सिराज किसी भी परिस्थिति में टीम को निराश नहीं करता। प्रसिद्ध, आकाशदीप, जडेजा, पंत सभी ने कमाल किया। इस युवा टीम में निरंतरता दिखाई दी। चोट केकारण बाहर रहे ऋषभ पंत ने भी सोशल मीडिया पर टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह टीम जीत के लिए लालायित है और परिस्थितियों केअनुसार ढलकर खेलती है। इस पर गर्व है। उन्होंने टीम मैनेजमेंट और फैंस का भी आभार जताया।

अनिल कुंबले ने लिखा-शानदार श्रृंखला और शानदार खेल। मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध, शुभमन गिल और पूरी टीम को बधाई। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि क्या जुझारू प्रदर्शन। यह टीम अंत तक लड़ती है और जीत की भूखी है।

अजिंक्य रहाणे ने कहा कि टेस्ट त्रिक्रेट इससे बेहतर नहीं हो सकता – तनाव, दबाव और जज्बे से भरी जीत।

इरफान पठान ने सिराज की तारीफ में लिखा, शेर का दिल और लोहे का शरीर – मोहम्मद सिराज।

हरभजन सिंह ने कहा, सिराज और प्रसिद्ध का शानदार प्रदर्शन, पूरी टीम को बधाई। तुम सब ने दिल जीत लिया।

यह रहा सिराज का अंतिम प्रहार, भारत ने रचा रोमांचक जीत का इतिहास

आंकड़े

दिलेर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों में किया गया शानदार प्रदर्शन उनके आंकड़ों में भी नजर आया। उन्होंने 23 विकेट लेकर इंग्लैंड में टेस्ट श्रृंखला में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में जसप्रीत बुमराह के भारतीय रिकॉर्ड की बराबरी की। बुमराह ने साल 2021-22 में यह उपलब्धि हासिल कर भुवनेश्वर कुमार (19) का रिकॉर्ड तोड़ा था।

सिराज इस श्रृंखला के साथ शुरू हुई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। सिराज के बाद इंग्लैंड के जोश टंग (19) दूसरे स्थान पर रहे।

इन व्यक्तिगत उपलब्धियों के अलावा, भारत ने इस पांच मैचों की श्रृंखला में कुछ टीम रिकॉर्ड भी बनाए हैं।

रनों के लिहाज से सबसे करीबी जीत

द ओवल में भारत को छह रनों से जीत मिली, जो टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से उसकी सबसे करीबी जीत है। इससे पहले साल 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुंबई में मिली 13 रनों की जीत का रिकॉर्ड था।

भारत ने श्रृंखला में कुल 3,809 रन बनाए, जो पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे ज्यादा स्कोर है।

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड की जीत का इंतजार बढ़ा

भारत के खिलाफ यह लगातार चौथी टेस्ट श्रृंखला है जिसे जीतने में इंग्लैंड की टीम नाकाम रही। यह सिलसिला 2018 से चला आ रहा है। यह पारंपरिक प्रारूप में इंग्लैंड का सीरीज में सफलता हासिल करने में नाकाम रहने का दूसरा सबसे लंबा दौर है। इससे पहले वे 1996 और 2011 के बीच पांच श्रृंखलाओं में बिना किसी जीत के रहे थे।

रूट ने गावस्कर की बराबरी की

इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में 104 रन बनाए, जो भारत के खिलाफ टेस्ट में उनका 13वां शतक और कुल मिलाकर 16वां शतक है। इसके साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ की बराबरी कर ली है।

रूट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 13 शतक बनाने के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर के रिकॉर्ड की भी बराबरी की है। अब एक ही देश के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट शतक बनाने के मामले में उनसे आगे सिर्फ डॉन ब्रैडमैन (इंग्लैंड के खिलाफ 19 शतक) हैं।

रूट विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के इतिहास में 6,000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं।

गिल भारत-इंग्लैंड के बीच एक श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इस श्रृंखला में 754 रन बनाकर सुनील गावस्कर और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ग्राहम गूच जैसे दो महान बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया।

उन्होंने कप्तान के तौर पर श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में गावस्कर (732) के भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

गिल ने भारत और इंग्लैंड के बीच किसी एक श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने के बाद गूच (752) के 35 साल पुराने रिकॉर्ड को अपने नाम किया।

कंधा टूटा, लेकिन जज्बा नहीं....
क्रिस वोक्स ने जीता दिल, एक हाथ से बैटिंग के लिए उतरे

ओवल टेस्ट के बाद सिराज पर भी जागा भारत का भरोसा

लंदन, 4 अगस्त। भारतीय क्रिकेट में जसप्रीत बुमराह लंबे समय से तेज गेंदबाजी की पहचान बने हुए हैं, लेकिन ओवल टेस्ट में मोहम्मद सिराज ने जिस अंदाज में भारत को जीत दिलाई, उसने साबित कर दिया कि अब टीम इंडिया को 'जस्सी भाई' के साथ 'मियां भाई' पर भी उतना ही भरोसा है।

पांचवें टेस्ट में जसप्रीत बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत बाहर रखा गया, ऐसे में सिराज ने गेंदबाजी की अगुवाई की जिम्मेदारी बखूबी निभाई। उन्होंने न केवल इंग्लैंड की दूसरी पारी को झकझोर दिया बल्कि 23 विकेट के साथ पूरी सीरीज के सबसे सफल गेंदबाज भी बने। इस श्रृंखला में सिराज एकमात्र ऐसे तेज गेंदबाज रहे जिन्होंने सभी पांचों मैच खेले और कुल 185.3 ओवर की कड़ी मेहनत की।

बारबाडोस में भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद सिराज ने कहा था, मैं सिर्फ जस्सी भाई पर विश्वास करता हूं। लेकिन ओवल टेस्ट में शानदार प्रदर्शन कर सिराज ने खुद को उस भरोसे के लायक साबित किया, जो अब टीम और देश दोनों उनके प्रति दिखा रहे हैं।

मैच के अंतिम दिन जब शुभमन गिल से पूछा गया कि क्या अब बुमराह की तरह सिराज पर भी भरोसा है, तो कप्तान ने पूरे विश्वास के साथ कहा, हां, और यह भरोसा नया नहीं है। सिराज भाई की मेहनत और समर्पण ने उन्हें यह सम्मान दिलाया है।एक मैच का प्रदर्शन किसी खिलाड़ी की सालों की मेहनत को नहीं आंक सकता।

ओवल टेस्ट में हैरी ब्रूक का कैच पकड़ने के दौरान बाउंड्री से टकराकर सिराज के चेहरे पर जो दर्द दिखा, वो अगले सत्र में उनकी धारदार गेंदबाज़ी से मिट गया। उन्होंने एक बार फिर दिखा दिया कि क्रिकेट उनके लिए सिर्फ खेल नहीं, पहला प्यार है। मैच के बाद सिराज ने भावुक होकर कहा, क्रिकेट मेरा पहला प्यार है। मैं इसके लिए कुछ भी कर सकता हूं। जब मैं अच्छा नहीं करता, तो मुझे सबसे ज्यादा दुख होता है। मैंने अपने जीवन में बहुत संघर्ष किया है, इसलिए इस खेल के लिए मैं सब कुछ देता हूं।

अब सिराज की इस जज्बे और समर्पण को देख कर कहना गलत नहीं होगा कि भारत को अब जस्सी भाई के साथ-साथ मियां भाई (मोहम्मद सिरज का फैंस द्वारा दिया गया नाम) पर भी उतना ही भरोसा है-और यह भरोसा, सिराज ने अपने पसीने से कमाया है।

आज की सुबह इस टीम की खासियत बताती है: गिल

लंदन, 4 अगस्त। बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में द ओवल में खेले गए रोमांचक आखिरी दिन सहित कभी हार नहीं मानी और कप्तान शुभमन गिल ने सोमवार को कहा कि यही जुझारूपन उनकी टीम की पहचान है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद और मोहम्मद शमी जैसे सीनियर खिलाड़ी की अनुपस्थिति में गिल और उनकी टीम के लिए यह एक बड़ी श्रृंखला थी। यहां तक कि जसप्रीत बुमराह भी सभी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं थे जिससे टीम को हर मैच में गेंदबाजी संयोजन बदलना पड़ा।

यहां अंतिम टेस्ट के चौथे दिन भारत पूरी तरह से निराश दिख रहा था। हैरी ब्रूक और जो रूट ने इंग्लैंड को रिकॉर्ड लक्ष्य हासिल करने की ओर अग्रसर रखा लेकिन मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने मेहमान टीम को जोरदार वापसी दिलाई। सोमवार की सुबह भी हालात भारत के पक्ष में नहीं थे लेकिन गिल एंड कंपनी एक शानदार जीत हासिल करने में कामयाब रही और श्रृंखला बराबर कर ली।

गिल ने कहा कि आज सुबह हमने जो किया उससे पता चलता है कि यह टीम क्या है। 70 के आसपास रन, सात विकेट हाथ में (चौथे दिन)। ब्रूक और रूट जिस तरह से खेल रहे थे दुनिया की अधिकतर टीमें खुद को मौका नहीं देतीं। उन्होंने कहा कि लेकिन इस टीम का मानना है कि जब भी हमें कोई मौका मिलता है जो हम उस पर आगे बढ़ते हैं। और ब्रूक के आउट होने के बाद हम यही बात कर रहे थे और फिर हमें बेथेल का शुरुआती विकेट मिल गया, यह हमारा मौका था, आइए उन पर दबाव बनाने की कोशिश करें।

भारतीय कप्तान ने कहा कि लेकिन जब आपके पास सिराज जैसा गेंदबाज हो तो कप्तान के तौर पर आपका काम बहुत आसान हो जाता है। आप बस मैदान पर खड़े होते हैं और आप बस उनकी गेंदबाजी की सराहना करना चाहते हैं। पूरी श्रृंखला में उतार--ढ़ाव देखने को मिले और दोनों टीमें जी-जान से लड़ीं। जैसे-जैसे सीरीज आगे बढ़ी, गिल एक बल्लेबाज और कप्तान के रूप में निखरते गए। गिल ने कहा, ''ऐसे कई पल आते हैं जब आपको लगता है कि यह सफर सार्थक है, वह पल जो हमने सुबह देखा था। और कई उतार-चढ़ाव आए और यह अपेक्षित भी है, खासकर खेलों में। उन्होंने कहा, ''जाहिर है कि हर मैच या हर बार जब आप बल्लेबाजी करने जाते हैं तो आप अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं, आप शतक बनाना चाहते हैं। लेकिन दुर्भाग्य से खेल या जीवन ऐसे नहीं चलता। आपको जीवन के उतार-चढ़ाव से पार पाना चाहिए और हर समय संतुलित रहने की कोशिश करनी चाहिए।

मैकुलम ने सिराज की सराहना की

लंदन, 4 अगस्त। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने सोमवार को भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की यहां अंतिम टेस्ट मैच में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्रशंसा की और पांच मैचों की श्रृंखला को अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ श्रृंखला में से एक बताया।

मैच के बाद स्काई स्पोर्ट्स पर मैकुलम ने कहा कि जब सिराज ने अंतिम विकेट लिया तो हम भले ही बेहद निराश थे लेकिन मैं उनके और एक क्रिकेटर के रूप में उनके जज्बे और उन्होंने जो किया उसके लिए उनकी प्रशंसा करता हूं। यह टेस्ट श्रृंखला हाल के दिनों में सबसे रोमांचक और नाटकीय मुकाबलों में से एक साबित हुई। न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज मैकुलम ने कहा कि यह अब तक की सबसे बेहतरीन पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला थी जिसका मैं हिस्सा रहा हूं और जिसे मैंने देखा है। छह हफ्तों तक यह श्रृंखला काफी उतार-चढ़ाव भरी रही और मुझे लगा कि इसमें सब कुछ था। मुझे लगता है कि कभी-कभी बेहद कड़ी प्रतिद्वंद्विता थी, कभी सौहार्दपूर्ण माहौल था, कभी शानदार क्रिक्रेट था और दोनों टीमों पर दबाव के कारण कुछ औसत क्रिक्रेट भी था। उन्होंने कहा कि हमें पता था कि श्रृंखला कड़ी होगी, हमें पता था कि वे हमारी शारीरिक और मानसिक परीक्षा लेंगे। मुझे लगता है कि इस श्रृंखला ने दोनों टीमों की उम्मीद से कहीं अधिक परीक्षा ली। यह एक जबरदस्त श्रृंखला थी और मुझे लगता है कि 2-2 की बराबरी इसका सही नतीजा थी। इस तरह के कड़े मुकाबले में शारीरिक और मानसिक चुनौतियों के बारे में बात करते हुए मैकुलम ने कहा कि पांचों टेस्ट मैच के पांचों दिन खेलना मानसिक रूप से थका देने वाला होता है। बेशक हमें इस आखिरी टेस्ट मैच में नए खिलाड़ियों को बुलाना पड़ा। आपको पता होता है कि क्या होने वाला है लेकिन जब तक यह हो नहीं जाता तब तक आपको पता नहीं चलता कि क्या हुआ है।

स्टोक्स ने कहा- निराश हैं लेकिन नतीजा न्यायसंगत'

लंदन, 4 अगस्त। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने सोमवार को कहा कि भारत के खिलाफ ओवल टेस्ट में करीबी हार के बाद उनकी टीम निराश और हताश है, लेकिन उन्होंने यह भी माना कि पांच मैचों की यह बेहद प्रतिस्पर्धी श्रृंखला 2-2 की बराबरी के साथ खत्म होना एक न्यायसंगत नतीजा है। भारत ने अंतिम टेस्ट में 6 रन से रोमांचक जीत दर्ज की और श्रृंखला को बराबरी पर समाप्त किया। आखिरी दिन भारत ने इंग्लैंड के शेष चार विकेट जल्दी निकालकर उन्हें 367 रन पर समेट दिया। स्टोक्स खुद कंधे की चोट के कारण अंतिम टेस्ट में नहीं खेल सके। उन्होंने कहा कि श्रृंखला के सभी टेस्ट पांच दिन चले। दोनों टीमों ने 25 दिन तक एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। सभी खिलाड़ियों ने जी-जान लगा दी। उन्होंने आगे कहा कि एक क्रिकेट प्रेमी के रूप में मुझे लगता है कि 2-2 का परिणाम उचित है। हां, हम सभी में निराशा और थोड़ी हताशा जरूर है क्योंकि हम श्रृंखला जीतना चाहते थे। लेकिन यह एक शानदार श्रृंखला रही। स्टोक्स ने इस श्रृंखला को टेस्ट क्रिकेट का बेहतरीन उदाहरण बताते हुए कहा कि मैं टेस्ट क्रिकेट का समर्थक हूं और यह श्रृंखला उस सोच को दूर कर सकती है कि टेस्ट क्रिकेट दम तोड़ रहा है। यह सीरीज हर मायने में प्रेरणादायक रही। स्टोक्स ने कहा कि हैरी ब्रूक और जो रूट की शतकीय साझेदारी ने इंग्लैंड को जीत की ओर अग्रसर किया था। 380 का लक्ष्य बहुत बड़ा था, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, विकेट का बर्ताव बदला। ब्रूक ने भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाया और जिस अंदाज में वह खेले, उससे हमें जीत की उम्मीद जगी। स्टोक्स ने घायल क्रिस वोक्स की सराहना करते हुए कहा कि टूटी बांह के बावजूद वह बल्लेबाजी करने उतरे। वह बहुत दर्द में थे, लेकिन टीम के लिए मैदान पर उतरना चाहते थे। ऋषभ पंत टूटी एड़ी के साथ खेले, बशीर टूटी उंगली से। और आज वोक्स ने भी साबित किया कि यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए कितनी अहम थी।

हम जीतेंगे, हारेंगे... लेकिन कभी आत्मसमर्पण नहीं करेंगे : गंभीर

लंदन, 4 अगस्त। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट में भारत की रोमांचक छह रन से जीत के बाद टीम के जज्बे को सलाम किया और दो टूक कहा-हम जीतेंगे, हारेंगे... लेकिन कभी आत्मसमर्पण नहीं करेंगे! शानदार प्रदर्शन, लड़कों!

374 रन का लक्ष्य लेकर उतरी इंग्लैंड की टीम चौथे दिन स्टंप्स तक 339 रन पर छह विकेट के साथ जीत की ओर बढ़ रही थी। लेकिन सोमवार की सुबह भारतीय गेंदबाजों ने जोरदार वापसी करते हुए बाकी चार विकेट जल्दी समेटे और इंग्लैंड को 367 रन पर ऑलआउट कर सीरीज 2-2 से बराबर कर दी। गंभीर ने जीत के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखाः हम जीतेंगे, हारेंगे... लेकिन कभी आत्मसमर्पण नहीं करेंगे! शानदार प्रदर्शन, लड़कों!

गंभीर की कोचिंग में भारत की यह जीत काफी अहम मानी जा रही है, क्योंकि इससे पहले भारत को टेस्ट क्रिकेट में निराशाजनक प्रदर्शन झेलना पड़ा था। गंभीर के टेस्ट कार्यकाल की शुरुआत न्यूज़ीलैंड के खिलाफ घरेलू 0-3 की हार से हुई थी, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया में 1-3 से श्रृंखला गंवाना पड़ा। इंग्लैंड का दौरा गंभीर के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण था। वहीं टीम की कप्तानी शुभमन गिल को सौंपी गई थी, जो रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद पहली बार टेस्ट टीम की अगुआई कर रहे थे। भारत ने श्रृंखला की शुरुआत हेडिंग्ले में पांच विकेट से हार के साथ की, लेकिन एजबेस्टन में 336 रन से धमाकेदार जीत दर्ज की। इसके बाद लॉर्ड्स टेस्ट में मात्र 22 रन से हार, और मैनचेस्टर में ड्रा के बाद सबकी निगाहें ओवल टेस्ट पर टिकी थीं। निर्णायक मुकाबले में भारत ने साहस, संयम और धैर्य के साथ शानदार वापसी की, और न केवल मैच जीता बल्कि श्रृंखला बराबर कर सम्मान बचाया।

टेस्ट क्रिकेट से छेड़छाड़ की जरूरत नहीं : गिल

लंदन, 4 अगस्त। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में छह रन की नाटकीय जीत दर्ज करने के बाद सोमवार को इस प्रारूप से छेड़छाड़ नहीं करने की सलाह दी। टेस्ट क्रिकेट पर फ्रेंचाइजी क्रिकेट के कारण खतरे की बात की जा रही है लेकिन इस श्रृंखला के पांचों पांचवें दिन तक चले और रोमांचक बने रहे। गिल ने चुटिले अंदाज में कहा कि अगर टेस्ट मैच चार दिवसीय होते तो इस श्रृंखला के चार मैच ड्रॉ पर समाप्त होते। गिल ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मेरे विचार से टेस्ट क्रिकेट जैसा है वैसा ही रहना चाहिए क्योंकि यह सबसे फायदेमंद और संतोषजनक प्रारूप है। इसमें जीत हासिल करने के लिए आपको सबसे ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है और इस प्रारूप की सबसे अच्छी बात यह है कि यह आपको हमेशा दूसरा मौका देता है, जो किसी अन्य प्रारूप में संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आप अगर कड़ी मेहनत और सही दिशा में काम करते रहेंगे तो आपके पास हमेशा दूसरा मौका होगा।

सीवान, प. चंपारण, कैमूर व बेगूसराय सेमीफाइनल में

सुब्रतो कप अंडर-17 फुटबॉल चैंपियनशिप का खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता ने किया उद्घाटन, पहले दिन खेले गए बालिका वर्ग के मुकाबले

बेगूसराय, 4 अगस्त (खेलढाबा)। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवं खेल विभाग बिहार सरकार के बैनर तले जिला प्रशासन बेगूसराय की मेजबानी में सोमवार को स्थानीय यमुना भगत स्टेडियम में राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता अंडर–17 बालक एवं बालिका वर्ग का शानदार आगाज हुआ।

पहले दो दिन के मुकाबले खेले जायेंगे। पहले दिन खेले गए मुकाबलों में जीत हासिल कर सीवान, पश्चिम चंपारण और कैमूर की टीम ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। बेगूसराय की टीम को सीधे सेमीफाइनल में जगह मिल गई।

इससे पहले प्रतियोगिता का उद्घाटन बिहार सरकार के खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता, अनुमंडल पदाधिकारी तेघड़ा राकेश कुमार और उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा बेगूसराय श्याम सहनी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

क्वार्टरफाइनल में हारी पटना की टीम : क्वार्टरफाइनल मुकाबले में सीवान ने जमुई को 8–0 से हराया। सीवान की ओर से रिंकी कुमारी चौहान और अंशु कुमारी ने 2–2 गोल दागे। इसके अलावा अराधना कुमारी, खुशबू कुमारी, पिंकी कुमारी और बेबी कुमारी ने 1–1 गोल दागे।

पश्चिम चंपारण की बेटियों ने सारण की टीम को 5–0 से हराकर अगले सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कैमूर ने पटना को 4–0 से हरा कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

बेगूसराय की सीधे सेमीफाइनल में इंट्री : मेजबान बेगूसराय बिना कोई मैच खेले सेमीफाइनल में पहुंची। क्वार्टरफाइनल में उसका मुकाबला गोपालगंज बनाम दरभंगा मैच की विजेता टीम से होना था पर ये दोनों टीमें नहीं आई और इसके कारण बेगूसराय को सीधे सेमीफाइनल में इंट्री मिली।

मात्र 11 जिला की टीमों की ही भागीदारी : बिहार के 38 जिलों में से इस प्रतियोगिता में 11 जिला की टीमों की भागीदारी हुई। ऐसे टाईशिस्ट में 13 जिलों का नाम था पर टीम आई मात्र 11। मंगलवार को सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला खेला जायेगा। सेमीफाइनल में पश्चिम चंपारण बनाम सीवान और बेगूसराय बनाम कैमूर मुकाबला होगा।

मैच नॉकआउट आधार पर खेले गए : राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल अंडर 17 बालिका वर्ग का आज केसभी मैच नॉकआउट खेला गया। पहले मैच में जमुई ने मुजफ्फरपुर को 2– 0 से हराया। जमुई की ओर से शांतिश कुमारी ने 1 गोल किया और अनिका मुर्मू ने भी 1 गोल किया। मुजफ्फरपुर टीम की ओर से कोई गोल नहीं किया गया।

पहले मैच में जीता था पटना : पटना और वैशाली के बीच दूसरा मैच खेला गया। पटना ने एक तरफा मुकाबला में वैशाली को 9–0 से हराया। पटना की ओर से कप्तान काव्या ने 2 गोल, जिया ने 2 गोल, अनुष्का ने 2 गोल और शिखा, अदिति और सुप्रिया ने एक– एक गोल किया। वैशाली की टीम गोल का खाता नहीं खोल पाई। पहले और दूसरे मैच में अनुराग कुमार, अमन कुमार, ज्योति कुमारी और कैलाश पंडित निर्णायक केरूप में रहें।

मुंगेर की टीम हारी : तीसरा मैच पश्चिम चंपारण और मुंगेर केबीच खेला गया। पश्चिम चंपारण ने मुंगेर को एक तरफा मुकाबले में 6–0 हराया। पश्चिम चंपारण की ओर से दामिनी ने 3 गोल, रानी ने 2 गोल और गीता ने 1 गोल किया। मुंगेर की महिला टीम कोई गोल नहीं कर सकी।

सारण ने पूर्णिया को हराया : चौथा मैच सारण और पूर्णिया केबीच खेला गया। सारण ने एक तरफा मुकाबले में पूर्णिया को 5–0 से हराया। सारण की ओर से खुशबु ने 3 गोल और सपना ने 2 गोल किया। पूर्णिया की टीम कोई गोल नहीं कर सकी।

अब खेल से भी नवाब बन सकते हैं आप

- बिहार के खेलमंत्री सुरेंद्र मेहता ने कहा–केंद्र व राज्य सरकारें खेल को बढ़ाने के लिए कृतसंकल्पित
- अब हर पंचायत में खेल क्लब और खेल मैदान

बेगूसराय, 4 अगस्त (खेलढाबा)। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवं खेल विभाग बिहार सरकार के बैनर तले जिला प्रशासन बेगूसराय की मेजबानी में सोमवार को स्थानीय यमुना भगत स्टेडियम में राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता अंडर–17 बालक एवं बालिका वर्ग का शानदार आगाज हुआ। प्रतियोगिता के उद्घाटन के अवसर पर अपने उद्बोधान में खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार और बिहार सरकार खेल और खिलाड़ियों के साथ है। आज खेल क्लब के साथ–साथ हर पंचायत में खेल के मैदान बनाए जा रहे हैं। मेडल लाओ और नौकरी पाओ के द्वारा केंद्र सरकार और राज्य सरकार खेल को बढ़ावा दे रही है। विभागीय मंत्री ने कहा कि आज बच्चे खेल कर के भी नवाब बन रहे हैं। बिहार के ये बच्चे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिहार का नाम करें ऐसी शुभकामनाएं भी मंत्री महोदय ने खिलाड़ियों के लिए प्रेषित किया। उन्होंने कहा कि खेल से एकता का संदेश मिलता है। खेल और खिलाड़ी को आगे बढ़ाने में वर्तमान केंद्र सरकार और राज्य सरकार की उन्होंने तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन बेगूसराय और खेल विभाग बेगूसराय द्वारा हर तरह से इस प्रतियोगिता की शानदार तैयारी की गई है।

अनुमंडल पदाधिकारी तेघड़ा राकेश कुमार ने कहा कि बेगूसराय में लगातार इस तरह के खेल का आयोजन होना एक सुखद संकेत है। पहली बार सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन बेगूसराय में हो रहा है। यमुना भगत स्टेडियम और इस क्षेत्र को लोग अब खेल गांव के रूप में जान रहे हैं। खेल कोटे से लगातार इस क्षेत्र केखिलाड़ियों को सरकारी नौकरी मिल रही है। सभी खिलाड़ी अच्छा खेलें और राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हो बिहार का नाम रौशन करें।

04 अगस्त से लेकर 09 अगस्त तक इस फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन यमुना भगत स्टेडियम तेघड़ा बेगूसराय में हो रहा है। पूरे प्रदेश की टीमें कर रही है शिरकत। इस आयोजन में लगे हुए सभ सभी पदाधिकारियों और शिक्षकों को उन्होंने धन्यवाद दिया।

उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा बेगूसराय श्याम सहनी ने जिला प्रशासन बेगूसराय की ओर से खेल मंत्री बिहार सरकार सुरेंद मेहता और अन्य आगंतुक अतिथियों का अभिवादन किया और सभी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर में शानदार खेल केलिए शुभकामनाएं प्रेषित किया।

मंच संचालक और उद्घोषक की भूमिका शिक्षक गौरव कुमार पाठक ने निभाई। इस अवसर पर संजीव कुमार मुन्ना, शारीरिक शिक्षक विश्वजीत कुमार, चिरंजीवी ठाकुर, राजेश कुमार रौशन, शुभम, मणिकांत, पिंकी, पल्लवी, लक्ष्मी आदि ने खेल प्रतियोगिता के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

दरभंगा के शिवम का दे दनादन

राजगीर में सुब्रतो कप अंडर-15 बालक फुटबॉल का शानदार आगाज

- नालंदा के डीएम व एसपी ने किया प्रतियोगिता का उद्घाटन
- ओवरएज प्लेयर होने के कारण लखीसराय की टीम हुई बाहर
- खगड़िया और मुजफ्फरपुर वाकओवर के सहारे आगे बढ़े

राजगीर (नालंदा), 4 अगस्त (खेलढाबा)। खेल विभाग, बिहार सरकार व बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना के बैनर तले जिला प्रशासन, नालन्दा की मेजबानी में स्थानीय जवाहर नवोदय विद्यालय खेल मैदान पर राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल अंडर-15 बालक प्रतियोगिता 2025 का शानदार आगाज हुआ। पहले दिन खेले गए मुकाबले में दरभंगा ने सीवान पर 11-0 की शानदार जीत दर्ज की।

दीप प्रज्ज्वलित व नारियल फोड़ कर हुआ उद्घाटन : प्रतियोगिता का उद्घाटन नालंदा के जिलाधिकारी कुंदन कुमार और पुलिस अधीक्षक भारत सोनी के द्वारा संयुक्त रूप द्वीप प्रज्वलित कर एवं नारियल फोड़कर किया गया।

अतिथियों ने फुटबॉल खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उनके मनोबल को बढ़या। इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी, राजगीर, जिला खेल पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

दरभंगा का शानदार आगाज : दरभंगा बनाम सीवान के बीच पहला मैच खेला गया। दरभंगा ने सीवान को 11–0 से पराजित किया। दरभंगा की ओर से शिवम कुमार ने कुल 6 गोल दागे। शिवम कुमार ने खेल के तीसरे, छठे, 25वें, 51वें, 57वें, 58वें मिनट में गोल दागे। इसके अलावा आर्यन (10वें, 21वें, 56वें) ने तीन गोल किये। अतुल (17वें मिनट) और विहान (59वें मिनट) ने 1–1 गोल दागे। इस मैच के रेफरी अभिषेक कुमार, विजय हेम्ब्रम, सद्दाम हुसैन और एस मुर्मु थे।

वाकओवर मिलने का दौर भी शुरू : इधर गोपालगंज के नहीं आने से खगड़िया और बक्सर के नहीं आने से मुजफ्फपुर को वाकओवर मिला। लखीसराय की टीम को तीन खिलाड़ी ओवरएज होने के कारण प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया। मिल रही खबर के अनुसार अररिया, भोजपुर, सहरसा और शेखपुरा की टीमें नहीं आयेंगी।

संक्षिप्त

स्वियातेक को हरा टॉसन क्वार्टर फाइनल में

मांट्रियल। डेनमार्क की क्लारा टॉसन ने दूसरी वरीयता प्राप्त विम्बलडन चैम्पियन पोलैंड की इगा स्वियातेक को 7-6, 6-3 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस के क्वार्टरफाइनल फाइनल में प्रवेश कर लिया। छह फुट लंबी टॉसन ने स्वियातेक के हाथों विम्बलडन में मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। अब उनका सामना अमेरिका की मेडिसन कीस से होगा जिन्होंने चेक गणराज्य की 11वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा को 4-6, 6 -3, 7-5 से मात दी।

राष्ट्रीय जेवलिन डे प्रतियोगिता पटना में 7 को

पटना। चौथी राष्ट्रीय जेवलिन डे की बिहार राज्य प्रतियोगिता का आयोजन सात अगस्त को पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स कंकड़बाग पटना के एथलेटिक्स मैदान में किया जाएगा।
यह प्रतियोगिता सात अगस्त 2021 को टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा द्वारा जीते गए स्वर्ण पदक के उपलक्ष्य में आयोजित की जाती है। पटना में सुबह आठ बजे रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। जबकि सुबह दस बजे स्पर्धा का आयोजन होगा। इसमें अंडर 18, अंडर 20 और महिला पुरुष वर्ग शामिल है। प्रतियोगिता में बिहार एवं बिहार राज्य से बाहर के खिलाड़ी भी हिस्सा ले सकते हैं। यह जानकारी विहार एथलेटिक्स संघ के सचिव लियाकत अली खान ने दी।

कोबोली को हराकर शेल्टन क्वार्टर फाइनल में

टोरंटो। चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिका के बेन शेल्टन ने 13वीं वरीयता प्राप्त इटली के फ्लावियो कोबोली को 6-4, 4-6, 7-6 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना आस्ट्रेलिया के नौवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डि मिनौर से होगा जिन्होंने अमेरिका के सातवीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया। इससे पहले छठी वरीयता प्राप्त रूस के आंद्रेइ रूबलेव अपने मुकाबले में स्पेन के अलेजांद्रो फोकिना से 6- 7, 7-6, 3-0 से आगे थे जब थकान के कारण फोकिना ने कोर्ट छोड़ दिया। रूबलेव का सामना अब अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और चेक गणराज्य के जिरि लेहेका के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

तीरंदाजी लीग के पहले सत्र की घोषणा

नईदिल्ली। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) ने सोमवार को पहली तीरंदाजी लीग की घोषणा की जिसमें दुनिया भर के महिला और पुरुष रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाज फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंट में भाग लेंगे। लीग का पहला सत्र दिल्ली के यमुना खेल परिसर में अक्टूबर में आयोजित हो सकता है जो 11 दिन तक चलेगा। इसे विश्व तीरंदाजी, विश्व तीरंदाजी एशिया और खेल मंत्रालय से मंजूरी मिल चुकी है। भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा कि हमें यकीन है कि तीरंदाजी लीग से हम युवा तीरंदाजों को और मौके देकर उनके सपने पूरे कर सकेंगे। हम सभी को मिलकर इस लीग के जरिये देश में खेल को नयी उंचाइयों तक ले जाना है।

दीक्षा संयुक्त 46वें स्थान पर, यामाशिता को खिताब

पोर्थकॉल (वेल्स)। भारत की दीक्षा डागर मौसम से प्रभावित अंतिम दौर में पांच ओवर 77 के खराब प्रदर्शन के साथ यहां एआईजी महिला ओपन में संयुक्त 46वें स्थान पर रहीं। दीक्षा ने अंतिम दौर में तीन बर्डी की लेकिन वह आठ बोगी कर गईं जिससे उनका कुल स्कोर छह ओवर रहा।

आज अहमदाबाद का दौरा करेगी राष्ट्रमंडल खेल टीम

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेल निदेशक डैरेन हॉल के नेतृत्व में राष्ट्रमंडल खेल अधिकारियों का एक दल मंगलवार से तीन दिन के लिए अहमदाबाद का दौरा करेगा। यह दल आयोजन स्थलों का निरीक्षण करेगा और गुजरात सरकार के अधिकारियों से मुलाकात करेगा क्योंकि भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की संभावनाएं बढ़ रही हैं। यह दल रविवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचा और मंगलवार को अहमदाबाद में होगा।

मोहन बागान की दूसरी बड़ी जीत, बीएसएफ को हराया

डुरंड कप के ग्रुप बी में लिस्टन कोलासो का जलवा, क्वार्टरफाइनल की दौड़ हुई रोचक

कोलकाता, 4 अगस्त। किशोर भारती क्रीड़ागन में खेले गए डुरंड कप के ग्रुप बी मुकाबले में मोहन बागान सुपर जाइंट ने बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स फुटबॉल टीम को 4-0 से मात देकर टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इस जीत से मोहन बागान छह अंकों के साथ ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। गोल अंतर के आधार पर डायमंड हार्बर एफसी शीर्ष पर है। अब दोनों टीमों के बीच 9 अगस्त को होने वाला आखिरी ग्रुप मुकाबला क्वार्टरफाइनल का रास्ता तय करेगा।

पहले हाफ में मनवीर सिंह ने रोशन सिंह के क्रास पर शानदार हेडर से टीम को बढ़त दिलाई। इसकेबाद दूसरे हाफ में सिर्फ आठ मिनट के अंदर तीन गोल हुए। लिस्टन कोलासो ने दो बार गेंद को नेट में डाला और साहल अब्दुल समद ने एक गोल करते हुए स्कोर 4-0 कर दिया।

मोहन बागान ने पहले हाफ में कई मौके बनाए, लेकिन लिस्टन, थापा और मनवीर के प्रयास चूक गए। बीएसएफ की ओर से किशोरी को तीन मौकेमिले, मगर वे गोल में नहीं बदल सके।

दूसरे हाफ की शुरुआत में कोच जोस मोलिना ने आक्रामक बदलाव किए। साहल, कियान नासिरी और अल्बर्टो रोड्रिगेज के आने से टीम में तेजी आई। साहल ने एक गोल किया और एक असिस्ट दिया। लिस्टन कोलासो ने अपनी रफ्तार और स्किल से दर्शकों का दिल जीत लिया।

बीएसएफ की रक्षा पंक्ति अंतिम मिनटों में अधिक सतर्क दिखी, जिससे मोहन बागान और कोई गोल नहीं कर सका। इंजुरी टाइम में अल्बर्टो रोड्रिगेज का लंबी दूरी का प्रयास बीएसएफ के गोलकीपर हरप्रीत सिंह ने शानदार बचाव से रोका।

अब 9 अगस्त को मोहन बागान और डायमंड हार्बर एफसी केबीच होने वाला मैच ग्रुप विजेता और क्वार्टरफाइनल में स्थान तय करेगा।

रोहन सिंह के गोल से रीयल कश्मीर एफसी जीता

इम्फाल। मिडफील्डर रोहन सिंह के लंबी दूरी से दागे गोल की मदद से रीयल कश्मीर एफसी ने सोमवार को यहां डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप एफ मैच में टीआरएयू एफसी को 2-1 से हरा दिया।

रीयल कश्मीर ने 24वें मिनट में मरात तारेक के गोल की बदौलत बढ़त बनाई लेकिन अफरीदी बुयामायुम ने 26वें मिनट में गोल दागकर टीआरएयू को बराबरी दिला दी। रोहन ने इसके बाद 64वें मिनट में बॉक्स के बाहर से गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित करते हुए उसे तीन अंक दिला दिए। रीयल कश्मीर अगले मैच में 10 अगस्त को नेरोका एफसी से भिड़ेगा जबकि टीआरएयू एफसी की भिड़ंत 12 अगस्त को भारतीय नौसेना से होगी।

भारत के छह और पदक पक्के

- दो महिला मुक्केबाजों और चार पुरुष मुक्केबाज सेमीफाइनल में
- अंडर-22 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप

बैंकॉक, 4 अगस्त। दो महिला मुक्केबाजों और चार पुरुष मुक्केबाजों ने सोमवार को अंडर-22 एशियाई मुक्केबाज चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर भारत के लिए छह और पदक पक्के कर दिए।

प्रिया (महिला 60 किग्रा), पारांजल यादव (महिला 70 किग्रा), हर्ष (पुरुष 60 किग्रा), नीरज (पुरुष 75 किग्रा), रॉकी चौधरी (पुरुष 85 किग्रा) और इशान कटारिया (पुरुष 90 किग्रा से अधिक) ने अपने-अपने मुकाबलों में आसान जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह पक्की की। प्रिया ने जापान की सारी कोकुफू को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर भारत की जीत की शुरुआत की। हर्ष ने भी मंगोलिया के मुंख-एर्डीन एर्डेनेबोल्ड को इसी अंतर से मात दी। पारांजल चीन की मेंगे झांग को कड़े मुकाबले में हराकर सुबह के सत्र में भारत के लिए पदक पक्का करने वाली तीसरी मुक्केबाज बनीं। दोनों मुक्केबाजों ने आक्रामक रुख अपनाया और भारतीय मुक्केबाज ने खंडित फैसले में 3-2 से जीत हासिल की। अंडर-19 और अंडर-22 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप का आयोजन एक साथ हो रहा है जो भारत के उभरते सितारों को एशिया के कुछ सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करने का एक मंच प्रदान करती हैं।

भारत ने 40 मुक्केबाजों का मजबूत दल उतारा है जिसमें प्रत्येक आयु वर्ग में 20 मुक्केबाज हैं। रविवार को अंडर-22 वर्ग में भारत के दो पदक पहले ही पक्के हो चुके थे जब भावना शर्मा (महिला 48 किग्रा) और यात्री पटेल (महिला 57 किग्रा) सेमीफाइनल में पहुंच गईं। शाम के सत्र में नीरज ने भारत का विजय अभियान जारी रखा और चीनी ताइपे के जुन-झांग लिन को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसके बाद रॉकी चौधरी ने कजाखस्तान के अजातबेक जोल्दासखान को 4-1 से हराकर देश के लिए दिन का पांचवां पदक पक्का किया। इशान कटारिया ने दबदबा बनाते हुए ईरान के सईदयुसेफ मौसवी को हराया जब रैफरी ने उनका मुकाबला बीच में रोककर उन्हें विजेता घोषित किया। सोमवार को सात भारतीयों में से केवल सागर को पुरुषों के 55 किग्रा क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा।

एआईएफएफ के शीर्ष अधिकारी आईएसएल के क्लबों से करेंगे मुलाकात

नईदिल्ली, 4 अगस्त। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के शीर्ष अधिकारी देश के आठ क्लबों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) से मुलाकात कर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के रोके जाने के बाद देश के फुटबॉल की 'वर्तमान स्थिति और दिशा' पर व्यक्त की गयी उनकी चिंताओं को दूर करने की कोशिश करेंगे। आईएसएल के ये आठ क्लब अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। आईएसएल के आयोजक ने राष्ट्रीय महासंघ के साथ मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) के नवीनीकरण नहीं होने पर देश की शीर्ष फुटबॉल लीग पर रोक लगा दी है।

अब्दुल्ला अबूबकर ने 1 सेंटीमीटर के अंतर से जीता ट्रिपल जंप का खिताब

अल्माटी (कजाकिस्तान), 4 अगस्त। पूर्व एशियन चैंपियन अब्दुल्ला अबूबकर ने कजाकिस्तान के अल्माटी में कोसानोव मेमोरियल 2025 एथलेटिक्स मीट में रविवार को मेंस ट्रिपल जंप का खिताब अपने नाम किया। उन्होंनें यह खिताब अपने प्रतिद्वंद्वियों को सिर्फ एक सेंटीमीटर के अंतर से हराकर जीता। कॉमनवेल्थ गेम्स के रजत पदक विजेता अब्दुल्ला अबूबकर ने ओलंपिक ट्रेनिंग बेस में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर कांस्य पदक (कैटेगरी सी) एथलेटिक्स मीट में 16.08 मीटर की छलांग लगाकर जीत दर्ज की। 29 वर्षीय भारतीय एथलीट रिपब्लिक ऑफ कोरिया के यू ग्यूमिन और किम जंग-वू से आगे रहे, दोनों ही एशियन चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता हैं।

दोनों दक्षिण कोरियाई प्रतियोगियों ने 16.07 मीटर की समान सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई, लेकिन यू ग्यूमिन ने काउंटबैक के आधार पर 10-पुरुषों प्रतियोगियों में दूसरा स्थान हासिल किया, जिसका श्रेय किम जांग-वू के 15.87 मीटर की तुलना में 15.90 मीटर के अपने बेहतर दूसरे सर्वश्रेष्ठ प्रयास को जाता है। अबूबकर ने इस साल की शुरुआत में बेंगलुरु में 17.19 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की थी।

साहिबजादा फरहान, सीरीज निर्णायक मुकाबले में पाकिस्तान की जीत के सितारे।

आंकाक्षा यादव ने दिलाई बिहार को जीत

- हॉकी बिहार ने हॉकी अरुणाचल प्रदेश को 1-0 से हराया
- 15वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप

काकीनाडा, 4 अगस्त। आकांक्षा यादव के निर्णायक गोल की बदौलत हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार ने सोमवार को 15वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के चौथे दिन हॉकी अरुणाचल को 1-0 से हराकर डिवीजन 'बी' में अहम जीत दर्ज की। दिन के अन्य मुकाबलों में हॉकी मिजोरम ने तेलंगाना हॉकी को एकतरफा अंदाज में 15-0 से मात देकर सबको चौंका दिया, जबकि मणिपुर, असम और हिमाचल की टीमों ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर मजबूत प्रदर्शन किया।

बी डिवीजन के ग्रुप बी में खेल रही बिहार टीम ने हॉकी अरुणाचल को 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल आकांक्षा यादव (43') ने किया। एक जीत, एक हार और एक ड्रॉ के साथ बिहार के खाते में अभी चार अंक हैं। बिहार को दिल्ली से हार का सामना करना पड़ा है जबकि तमिलनाडु से ड्रॉ खेला है। अंतिम मुकाबला हिमाचल प्रदेश के खिलाफ होगा जो पूल बी में टॉप पर चल रहा है।

दिन की शुरुआत डिवीजन 'सी' के मुकाबले से हुई, जिसमें दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव हॉकी ने जम्मू-कश्मीर को 6-0 से हराया। इस मुकाबले में खुर्शीद जैनब (35', 56', 57') ने हैट्रिक लगाई, जबकि जनील शिहांगिया (49'), नंदनीबेन नंदुभाई दुलसादा (47') और राधिका डंडोतिया (44') ने एक-एक गोल किया।

दूसरे मुकाबले में हॉकी गुजरात ने एक करीबी मुकाबले में राजस्थान को 3-2 से मात दी। गुजरात के लिए पूर्वा अड्रोजा (53'), परमार पूरीबेन (19') और पूजा डिहोरा (35') ने गोल किए, जबकि राजस्थान की ओर से गायत्री महावर (21') और कप्तान साक्षी शर्मा (47') ने गोल किए।

डिवीजन 'सी' के अंतिम मुकाबले में हॉकी मिजोरम ने तेलंगाना हॉकी को 15-0 से एकतरफा हराया। मिजोरम की ओर से अंजना ज़क्सा (32', 38', 45', 46', 48') ने पांच गोल, झोथनमावी (3', 19', 40', 50') ने चार गोल, ज़ेड ललदिनतलुआंगी (16', 18', 49') ने तीन गोल किए। इसके अलावा एफ. लालबियाकसियामी (22'), लालरेमरुआती (21') और सी. मालसावमजेली (19') ने एक-एक गोल दागे।

डिवीजन 'बी' में पहले मुकाबले में मणिपुर हॉकी ने ले पुडुचेरी हॉकी को 9-1 से हराया। मणिपुर की ओर से रितु देवी लैशराम (5', 25', 46', 47') ने चार गोल, कप्तान रोमिता वारीबम चानू (45', 59') ने दो गोल और कंगजम सिल्विया चानू (56'), देवी मुतुम प्रिया (28') तथा देवी थोकचोम डैनाली (55') ने एक-एक गोल किया। पुडुचेरी के लिए एकमात्र गोल धिव्यश्री (24') ने किया।

दूसरे मैच में असम हॉकी ने हॉकी केरल को 5-1 से हराया। असम की ओर से अश्मिता टिग्गा (10', 41', 49') ने हैट्रिक लगाई, जबकि रेशमा जगत (12') और कप्तान सुमित्रा स्वर्गियारी (42') ने एक-एक गोल किया। केरल की ओर से एकमात्र गोल शनुषा पी एम (58') ने किया।

तीसरे मुकाबले में हॉकी हिमाचल ने दिल्ली को 7-1 से पराजित किया। हिमाचल की ओर से खुशी वर्मा (27', 60'), रीमू देवी (38', 59') और मिताली शर्मा (6', 42') ने दो-दो गोल, जबकि भूमि (11') ने एक गोल किया। दिल्ली के लिए एकमात्र गोल निशा (32') ने दागा।

पाकिस्तान ने तीसरा टी20 जीत श्रृंखला 2-1 से जीती

- वेस्टइंडीज की टीम 13 रन से हारी

लॉडेरहिल (अमेरिका), 4 अगस्त। सईम अयूब के अर्धशतक और साहिबजादा फरहान के साथ 138 रन की पहले विकेट की साझेदारी की मदद से पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को तीसरे टी20 मैच में 13 रन से हराकर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। पाकिस्तान ने चार विकेट पर 189 रन बनाये और उसके बाद वेस्टइंडीज को छह विकेट पर 176 रन पर रोक दिया। पाकिस्तान का पहला विकेट 17वें ओवर में गिरा जब फरहान 53 गेंद में 74 रन बनाकर आउट हो गए। शामार जोसेफ की फुलटॉस गेंद पर लांग आफ में उन्होंने शाइ होप को कैच थमा दिया। अयूब 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर डटे रहे और 49 गेंद में 66 रन बनाये।

जवाब में वेस्टइंडीज ने पहले दो ओवर में बिना किसी नुकसान के 33 रन बना लिये थे। हसन अली ने पहले ओवर में 16 और मोहम्मद नवाज ने दूसरे ओवर में 17 रन दिये। इसके बाद हारिस रउफ़ ने तीसरे ओवर में सिर्फ पांच रन दिये।

अमन कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण के लिए तैयार

लखनऊ 4 अगस्त। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत (57 किग्रा) को विश्व चैंपियनशिप के चयन ट्रायल में कोई खास चुनौती नहीं मिली तो वहीं सुजीत कलकल ने शानदार कौशल दिखाते हुए सोमवार को पुरुषों के 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली। इस 22 साल के पहलवान ने जून में प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी करते हुए मंगोलिया रैंकिंग सीरीज में कांस्य पदक जीता था। वह हालांकि यहां ट्रायल में मंगोलिया की तुलना में कहीं बेहतर नजर आये।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित

नई दिल्ली, 4 अगस्त। इस महीने के आखिर में होने वाले एशिया कप की तैयारी के मद्देनजर 15 अगस्त से शुरू हो रहे आस्ट्रेलिया दौरे के लिये हॉकी इंडिया ने हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में 24 सदस्यीय भारतीय पुरूष टीम का ऐलान किया है जिसमें कर्नाटक के पूवन्ना सीबी नया चेहरा होंगे।

अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए एशिया कप क्वालीफायर टूर्नामेंट है जो 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में खेला जायेगा। इसकी तैयारी के लिए भारतीय टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलेगी। टीम की कमान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत के ही पास है जबकि गोलकीपिंग का जिम्मा कृशन पाठक और सूरज करकेरा संभालेंगे। डिफेंस में सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह और नये खिलाड़ी कर्नाटक के पूवन्ना होंगे।

मिडफील्डर में युवा राजिंदर सिंह को शामिल किया गया है जिनकी अक्सर तुलना पूर्व कप्तान सरदार सिंह से होती है। उनके अलावा राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह भी मिडफील्ड में होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे रहेंगे। एशिया कप से पहले इस दौरे की अहमियत के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि हमारा फोकस शारीरिक अनुकूलन बेहतर करने और तकनीकी पहलुओं पर रहेगा। टीम में युवा खिलाड़ियों को चुने जाने के बारे में उन्होंने कहा कि हमने कुछ युवाओं को दबाव में खेलने की उनकी क्षमता परखने और जरूरी एक्सपोजर देने के लिये चुना है।

भारतीय टीम आठ अगस्त को बेंगलुरू से ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी जहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र पर शिविर चल रहा है।

टीम : गोलकीपर : कृशन बी पाठक और सूरज करकेरा। डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), सुमित , जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह , पूवन्ना सीबी। मिडफील्डर : राजिंदर सिंह, राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह। फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे।

टॉप-10 गेंदबाजों को मिला सम्मान

- बीसीए अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी ने गेंदबाजों की खोज अभियान के तहत चयनित गेंदबाजों को प्रदान किये जूते

पटना, 4 अगस्त (खेलढाबा)। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) द्वारा पिछले दिनों आयोजित राज्यव्यापी अभियान 'गेंदबाजों की खोज' के तहत चयनित शीर्ष गेंदबाजों को आज बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के दफ्तर में उपहार स्वरूप जूते भेंट किए गए। बीसीए के अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी ने स्वयं खिलाड़ियों को जूते सौंपे और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

बीसीए ने प्रारंभिक घोषणा के अनुसार चयनित शीर्ष 10 गेंदबाजों को प्रदर्शन के आधार पर जूते उपहार स्वरूप देने का निर्णय लिया था। इसी क्रम में आज का आयोजन किया गया, जिसमें अध्यक्ष राकेश तिवारी ने सभी खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की, उन्हें उपहार भेंट कर उन्हें प्रोत्साहित किया। सभी चयनित खिलाड़ियों का हौसला बढ़ते हुए श्री तिवारी ने कहा, यह केवल उपहार देने का आयोजन नहीं है, बल्कि यह इन खिलाड़ियों के समर्पण और मेहनत को मान्यता देने का प्रयास है। हमारा उद्देश्य सिर्फ चयन नहीं, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाना है।

भारतीय बॉस्केटबॉल कोच ने कहा- हमें अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचना होगा

नई दिल्ली, 4 अगस्त। एशियाई बास्केटबॉल में भारत भले ही कमजोर टीम हो लेकिन मुख्य कोच स्कॉट फ्लेमिंग ने भरोसा जताया है कि इस युवा टीम में अपनी क्षमता से बेहतर प्रदर्शन करने का दम है और उन्होंने हाल के मुकाबलों में कुछ बड़ी टीमों को हराया है। एशिया में वर्तमान में 15वें स्थान पर काबिज भारत को मंगलवार से शुरू हो रहे फिबा एशिया कप में 16 बार के स्वर्ण पदक विजेता चीन (छठी रैंकिंग), 2022 में सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले जोर्डन (आठवें) और मेजबान सऊदी अरब (10वें) के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। फ्लेमिंग ने कहा, ''मैं परिणामों की भविष्यवाणी करने में अधिक दिलचस्पी नहीं रखता।

आर्या सिसोदिया ने जीते 3 पदक

- 35वीं बिहार राज्य शूटिंग चैंपियनशिप

पटना, 4 अगस्त (खेलढाबा)। पिछले दिनों कल्याणबिगहा के शूटिंग एकेडमी में संपन्न 35वीं बिहार राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में पटना की आर्या सिसोदिया ने दो रजत समेत 3 पदक अपने नाम किया है। आर्या सिसोदिया इस प्रतियोगिता में पाटलिपुत्र गन शूटिंग एकेडमी की ओर से भाग लिया था।

आर्या सिसोदिया ने महिला वर्ग के जूनियर व यंग ग्रुप के 10 मीटर एयर राइफल (पीप साइट) झ एनआर कैटेगरी में रजत पदक जीता जबकि सीनियर वीमेंस में कांस्य पदक अपने नाम किया है। नोट्रेडम एकेडमी, पटना में अध्ययनरत आर्या सिसोदिया यूपी में आयोजित होने वाली सीबीएसई के जोनल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए चयन किया गया